कृतज्ञता ज्ञापन

आसादा यूसुके

आज “स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य और भीष्म साहनी” विषय पर आयोजित हुई इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत से पधारे दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर हरिमोहन शर्मा जी के प्रति हम अपना अनुग्रह व्यक्त करते हैं ; उन्होंने अपने विद्वत्तापूर्ण वक्तव्य से हम सबका मार्गदर्शन किया । हम उनके प्रति हृदय से आभारी हैं । साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय से पधारी डाक्टर मंजुला मोहन जी के प्रति भी हम अनुगृहीत हैं । डाक्टर मंजुला मोहन जी ने संगोष्ठी में अपना वक्तव्य देकर हमें उपकृत किया है । हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं ।

आदरणीय मिज़ोगामि सेंसई , ताकाहाशी सेंसइ , कोइसो सेंसइ , योगी सेंसइ के प्रति भी मैं उनके वक्तव्यों के लिए आभार व्यक्त करता हूँ ।

सभी विद्यार्थियों , जिन्होंने इस संगोष्ठी में आलेख पढ़े हैं , तथा अन्य भूमिकाएँ निभाई हैं , उन सबके प्रति मैं धन्यवाद प्रकट करता हूँ ।

इस संगोष्ठी में पधारे सभी अतिथियों के प्रति और सभी सहभागी विद्यार्थियों के प्रति भी मैं बहुत आभार व्यक्त करता हूँ । बहुत बहुत धन्यवाद ।